

संपादकीय

भूख से मुक्ति और आत्मनिर्भरता की युक्ति

कोरोना महामारी ने दुनिया भर में भय का ऐसा वातावरण बनाया है कि समाज और मरीच किसान और मजदूर इस संकटकाल में सबसे अधिक प्रभावित हैं। परिवार की आजीविका के लिए अपने गांव और कस्बों से जो मजदूर बड़े शहरों में गए थे, वे आज अपने घर लौट आए हैं। उनके पास कोई नियमित काम नहीं है, इसलिए उनके परिवार की चिंता करना लोक कल्याणकारी सरकार की चिंता स्वाभाविक है। लॉक डाउन की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना प्रारंभ की गई थी, जिसे नवंबर तक बढ़ाने की प्रधानमंत्री की घोषणा को मंत्रिमंडल की स्वीकृति भी मिल चुकी है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश भर में खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत अनेक वाले 80 करोड़ लोगों को प्रति माह 5 किलो अनाज, गेंहूं या चावल निःशुल्क दिए जा रहे हैं, साथ में प्रति माह प्रति परिवार एक किलोग्राम चना भी दिया जा रहा है। अप्रैल से जून के लिए केन्द्र सरकार ने 120 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए जारी की था, जिसमें से 116 लाख टन अनाज का उठाव कर 107 लाख टन से अधिक खाद्यान्न जनता में निःशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। अब इस योजना को नवंबर माह तक निरंतर जारी रखने का निर्णय लिया गया है, जिस पर केन्द्र सरकार को 76 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि का व्यय करना होगा।

देश पर कोई संकट हो, और इसका प्रभाव गरीब जनता पर पड़ रहा हो तो सरकार का संवेदनिक दायित्व भी है कि सबसे पहले गरीबों और वंचितों का ध्यान रखा जाए। संविधान के भाग चार राज्य के नीति निवेशक तत्व के अनुच्छेद 38 लोक कल्याण की भावना से सामाजिक व अर्थिक व्यवस्था बनाने का निर्वश शासन को देता है। यही भावना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की भी है। स्वतंत्रता के बाद भी दो वक़्त की रोटी की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर न हो सके, यह देश के गौरव पर ठेस है। देश में प्लेट फैल जाए, सुनामी या भूकंप आ जाए, या अभी कोरोना संकट में यही परासी और अपावाही मजदूरों को विभीषिका भोगी पड़ती है। देश भर से चार करोड़ मजदूरों का बड़े शहरों से अपने गांव या कस्बों में वापसी हुई है। कोरोना संकट का असर शहरों व कस्बों में छोटा व्यवसाय करने वाले, सड़कों पर ढेला-खोमचा लगाने वाले वार्ग पर भी पड़ा है, इसलिए इन वार्गों की सरकार और समाज चिंता कर, जरूरी भी है।

हालात के मारे इन मजदूरों, छोटे व्यवसायियों, ठेले-खोमचे लगाने वालों को पेटभर भोजन मिल जाए, यह सरकार की प्राथमिकता है। संकट का दौर तो टल जाएगा लेकिन इस दौरान परिश्रम करने वालों के स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखा तो जीवन भर इसका दुष्परिणाम हो सकता है। परिवार को भर पेट भोजन न केवल शरीर का पोषण करता है, अपितृ वह कमाई न कर पाने के मानसिक अवसाद को भी कम करता है। शहरों से गांव लौटे वालों को मनरोगा के जरिए रोजगार दिया जा रहा है, केन्द्र सरकार के कोरोना कालीन अर्थिक पैकेज में मनरोगा के लिए 60 हजार रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। व्यक्ति जब अपने बच्चों और परिजनों के खूबी की चिंता से मुक्त हो जाए तो वह जिन्दगी की नई धूमी प्रारंभ करने के लिए भी उत्साहित रहता है। कोरोना संकट से अवसर भी लेकर आया है। कृषि के प्रति दृष्टिकोण बदला है, वापस लौटे मजदूर अपने खेतों की ओर लौट रहे हैं। इस वर्ष खीरों की बुवाई में गत वर्ष की अपेक्षा 88 प्रतिशत अधिक बुवाई का संपर्क हो जाना, इस तथ्य की पुष्टि करता गई।



भारत-चीन के तनाव के कारण कैंसल हुई आमिर खान की शूटिंग

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन के बाद अब सीमा पर भारत और चीन के बढ़ते टेंशन के कारण भी फिल्मों की शूटिंग पर अपर पड़ रहा है। गलवान घाटी में चीन की घुसपैठ के बाद भारत और चीन की सेना के बीच हुई मुठभेद में भारत के 20 जवानों के शहीद होने के बाद यह तनाव और अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसर भी लेकर आया है। कृषि के प्रति दृष्टिकोण बदला है, परिवार इस वीच आमिर खान की फिल्म की शूटिंग लदाख में होनी थी जिसे कैसल कर दिया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान की आने वाली फिल्म लाल सिंह चंद्रा की शूटिंग

लदाख में होनी थी। अब भारत और चीन के बढ़ते तनाव के कारण इसे कैसल कर दिया गया है। इससे पहले यही शूटिंग मार्च में होनी थी लेकिन तब कोरोना

वायरस लॉकडाउन के कारण यह नहीं हो सकी थी। अब माना जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग लदाख के बजाय करगिल में की जा सकती है।

चॉकलेट में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो बच्चों के शरीर से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट की मदद से ये बच्चों के दांत खराक हो जाते हैं और बच्चों को नुकसान पहुंचाने से रोकते हैं।

लैकिन ऐसा विल्कुल नहीं है। बच्चों को चॉकलेट खाने से कई तरह के कारण होते हैं जिनके बारे में आज हम अपको यहां बताने जा रहे हैं। इन फायदों को जानने के बाद आप भी अपने बच्चों को चॉकलेट खिलाना सही नहीं है।

स्किन प्रॉब्लम्स- अगर आपके

बच्चों को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है

या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट एक्सेप्टेंट पैदा किए बिना स्किन को हल्दी बनाने का काम करती है।

पोषक तत्वों से भरपूर-

डार्क चॉकलेट मस्तिष्क में मौजूद फ्लेवर्स-इसके लिए करने में अहम भूमिका निभाती है। यह जब तेरले उत्तेजित होते हैं तो शिशु की ध्यान लगाने की क्षमता और यादाशंत दोनों बढ़ती है।

याददाशत बढ़ती है- डार्क चॉकलेट मस्तिष्क में मौजूद फ्लेवर्स-इसके लिए करने में अहम भूमिका निभाती है। यह जब तेरले उत्तेजित होते हैं तो शिशु की ध्यान लगाने की क्षमता और यादाशंत दोनों बढ़ती है।

स्किन प्रॉब्लम्स- अगर आपके

बच्चों को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है

या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट की मदद से ये बच्चों को चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट की मदद से ये बच्चों को चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है।

पोषक तत्वों से भरपूर-

डार्क चॉकलेट को कई तरह के खनिज पौधों

मैनिशियम, जिंक, पोटैशियम, यादवर आदि होते हैं। इस वज़ान से भरपूर चॉकलेट खिलानी चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम्स- अगर आपके

बच्चों को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है

या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट की मदद से ये बच्चों को चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है।

पोषक तत्वों से भरपूर-

डार्क चॉकलेट को कई तरह के खनिज पौधों

मैनिशियम, जिंक, पोटैशियम, यादवर आदि होते हैं। इस वज़ान से भरपूर चॉकलेट खिलानी चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम्स- अगर आपके

बच्चों को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है

या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट की मदद से ये बच्चों को चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है।

पोषक तत्वों से भरपूर-

डार्क चॉकलेट को कई तरह के खनिज पौधों

मैनिशियम, जिंक, पोटैशियम, यादवर आदि होते हैं। इस वज़ान से भरपूर चॉकलेट खिलानी चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम्स- अगर आपके

बच्चों को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है

या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है। चॉकलेट की मदद से ये बच्चों को चॉकलेट की मदद से ये परेशानी दूर हो सकती है।

पोषक तत्वों से भरपूर-

डार्क चॉकलेट को कई तरह के खनिज पौधों

मैनिशियम, जिंक, पोटैशियम, यादवर आदि होते हैं। इस वज़ान से भरपूर चॉकलेट खिलानी चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम्स- अगर आपके

बच्चों को स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है

या उसकी त्वचा स्वस्थ नहीं रहती है तो चॉकलेट क